epaper
हिन्दुस्तान

• प्रधानमंत्री ने 100 'किसान ड्रोन' का उद्घाटन किया • कहा, ड्रोन क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता दुनिया को एक नया नेतृत्व देगी

देश में नई ड्रोन स्टार्टअप संस्कृति बढ़ रही : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर अफगानिस्तान के सिख-हिंदू प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की।

20/02/2022

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश के विभिन्न हिस्सों में कीटनाशकों तथा अन्य कृषि सामग्री का छिड़काव करने के लिए 100 'किसान ड्रोन' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने विश्वास जताया कि ड्रोन क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता दुनिया को एक नया नेतृत्व देगी।

उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में ड्रोन स्टार्ट-अप की एक नई संस्कृति तैयार हो रही है। उनकी संख्या अभी 200 से अधिक है,जो आने वाले वक्त में हजारों में होगी और इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इस क्षेत्र के विकास में कोई बाधा न हो और सरकार ने इसे बढ़ावा देने के लिए कई सुधार किए हैं और नीतिगत कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह इस बात का उदाहरण है कि अगर नीतियां सही हों तो देश कितनी ऊंची उड़ान भर सकता है। ड्रोन कुछ वर्ष पहले तक मुख्य रूप से रक्षा क्षेत्र से ही जुड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने ड्रोन क्षेत्र को खोलने को लेकर आशंकाओं पर समय बर्बाद नहीं किया बल्कि भारत की युवा प्रतिभा पर विश्वास किया और नयी मानसिकता के साथ आगे बढ़ी।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने बजट और नीतिगत उपायों में प्रौद्योगिकी और नवोन्मेषों को प्राथमिकता दी है।

मोदी ने कहा कि ड्रोन के विविध उपयोग हैं। इनका इस्तेमाल गांवों में जमीन के मालिकाना हक का रिकॉर्ड बनाने के वास्ते स्वामित्व योजना में और दवाओं तथा टीकों के परिवहन के मकसद से किया गया है। उन्होंने कहा कि किसान ड्रोन नई क्रांति ला रहे हैं। किसान फल, सब्जियां और फूल जैसे अपने उत्पादों को कम वक्त में बाजारों में लाने के लिए उच्च क्षमता वाले ड्रोन का इस्तेमाल कर सकते हैं तथा अपनी आय बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में आधुनिक कृषि सुविधाएं मुहैया कराने में यह एक नया अध्याय है।

भरोसा

'अफगान सिख-हिंदू भारत में अतिथि नहीं'

नई दिल्ली। अफगानिस्तान से सिखों और हिंदुओं के एक शिष्टमंडल ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर उनसे मुलाकात की और संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) लाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे अतिथि नहीं हैं, बल्कि भारत उनका घर है। इस मुलाकात से एक दिन पहले मोदी ने सिख समुदाय के कई प्रमुख लोगों की अपने आवास पर मेजबानी की थी। गौरतलब है कि रविवार को पंजाब विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि मोदी ने अफगानिस्तान में हिन्दुओं और सिखों के सामने पेश होने वाली कठिनाई पर चर्चा की और उन्हें भारत सुरक्षित लाने के लिए सरकार द्वारा प्रदान की गई सहायता पर बात की। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने शिष्टमंडल को सभी मुद्दे सुलझाने के लिए भविष्य में भी लगातार मदद का आश्वासन दिया। मोदी ने गुरुग्रंथ साहिब का सम्मान करने की परंपरा के महत्व की भी चर्चा की। गुरु ग्रंथ साहिब के 'स्वरूप' को अफगानिस्तान से विशेष प्रबंध कर वापस लाया गया था।

शिष्टमंडल के अन्य सदस्यों ने भी मुसीबत में साथ देने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने सुना कि अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब के 'स्वरूप' को वापस लाने के लिए विशेष प्रबंध किया जा रहा है, तब उनकी आंखों में आंसू आ गए।